Hindi Moral Stories - Grade 1

सच्चे दोस्त

कक्षा १ में तीन पक्के दोस्त साथ में पढ़ते थे—मीनू, चिंटू और राजू। वे रोज़ साथ में पढ़ते, खेलते और लंच करते थे।

एक दिन,चित्रकारी की कक्षा चल रही थी। टीचर ने मुस्कुराते हुए कहा, "बच्चों! आज सब अपनी पसंद का सुंदर-सा चित्र बनाएंगे और उसमें प्यारे-प्यारे रंग भरेंगे।"

यह सुनकर सब बच्चे बहुत खुश हो गए। मीनू ने एक बड़ा-सा आम बनाया। चिंटू ने एक चमकता हुआ सूरज बनाया। लेकिन राजू चुपचाप उदास बैठ गया। राजू अपने रंग वाले क्रेयॉन घर पर ही भूल आया था। उसकी आँखों में आँसू आ गए।

मीनू ने राजू को उदास देखा, वह तुरंत अपने रंगों के साथ राजू के पास आई और बोली, "राजू, तुम उदास मत हो! मेरे पास पीला रंग है, तुम इससे अपने आम में रंग भर लो।"

चिंटू भी दौड़कर आया और बोला, "हाँ राजू! मेरे पास लाल और हरा रंग है। तुम ये भी ले लो!"

राजू के चेहरे पर एक बड़ी-सी मुस्कान आ गई। उसने अपने दोस्तों को "धन्यवाद" कहा। तीनों ने मिलकर बहुत सुंदर और रंग-बिरंगे चित्र बनाए। उस दिन राजू ने सीखा कि मिल-बांटकर रहने से हर मुश्किल आसान हो जाती है।

सीख : चीज़ें बांटने से हमारी खुशी और दोस्ती दोनों बहुत बढ़ जाती हैं।

नीचे दिए गए चित्र में अपने पसंदीदा रंग भरिये।

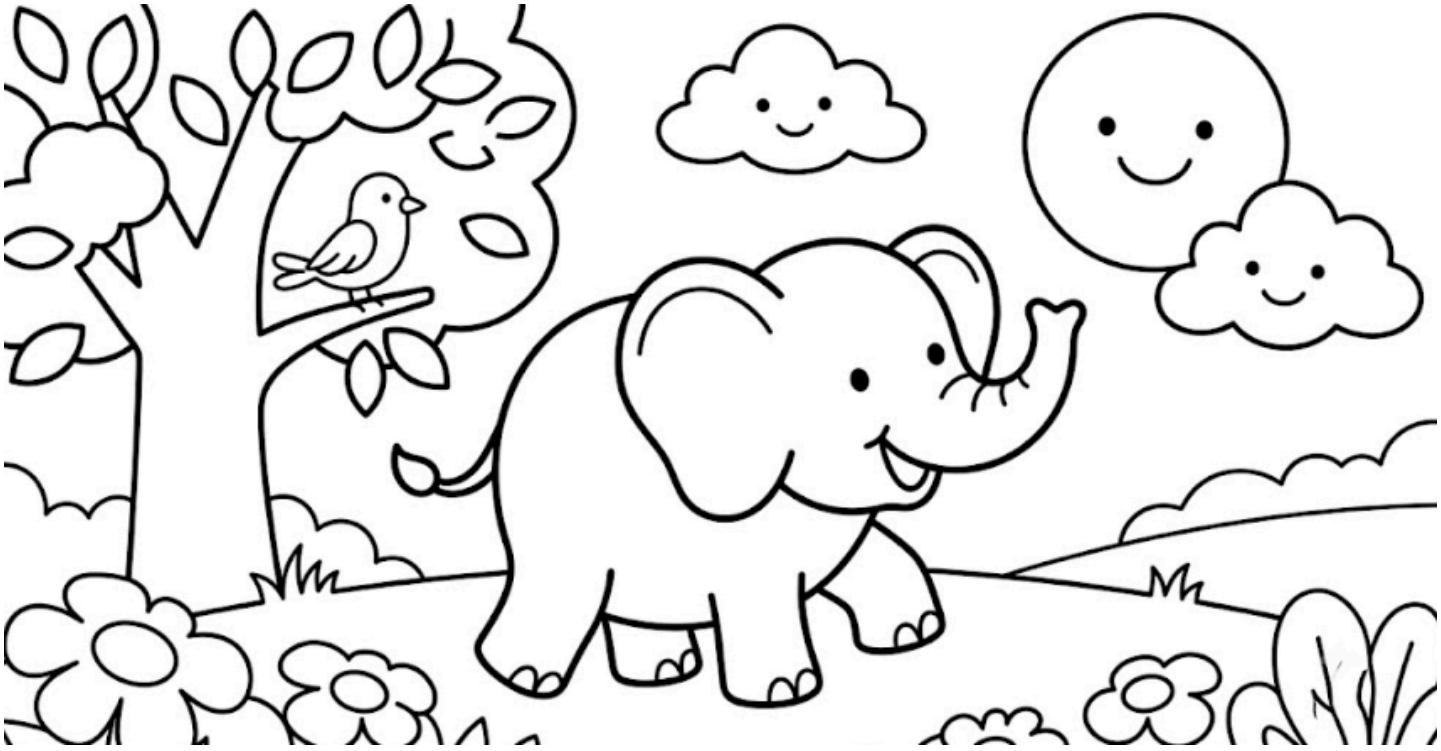

Hindi Moral Stories- Grade 1

प्यारी संगीता मैम

एक बहुत सुंदर स्कूल था। वहाँ एक कक्षा में तीन पक्के दोस्त रहते थे —सोनू, मीना और रोहन। सोनू बहुत शरारती था, मीना बहुत समझदार थी और रोहन को हँसना बहुत पसंद था।

उनकी टीचर का नाम संगीता मैम था । वह बच्चों को बहुत प्यार करती थीं। वह उन्हें नयी-नयी बातें सिखाती थीं।

एक दिन, संगीता मैम बच्चों को रंगीन कागज़ से 'जादुई तारे' बनाना सिखा रही थीं। सोनू और रोहन आपस में बात कर रहे थे। वे एक-दूसरे पर कागज़ के गोले फेंककर हँस रहे थे। वे मैम की बात नहीं सुन रहे थे। कक्षा में बहुत शोर हो गया।

संगीता मैम ने प्यार से कहा, "बच्चों, सुनो! अगर आप सुनेंगे नहीं, तो जादुई तारे बनाना कैसे सीखेंगे?" लेकिन सोनू और रोहन नहीं रुके। मैम थोड़ी उदास हो गईं। उन्होंने बोलना बंद कर दिया और चुपचाप ब्लैकबोर्ड के पास खड़ी हो गईं। मीना ने देखा कि मैम उदास हैं। उसने तुरंत सोनू का हाथ पकड़ा और धीरे से कहा, "सोनू, रोहन! हमें चुप रहना चाहिए। मैम हमारे लिए मेहनत करती हैं। जब हम उनकी बात नहीं सुनते, तो उन्हें बुरा लगता है।

उनकी बात सुनना ही उनका 'आदर' करना है।" सोनू को अपनी गलती समझ आ गई। उसने तुरंत रोहन को चुप कराया। सोनू और रोहन दोनों सीधे बैठ गए और मैम को देखने लगे। पूरी कक्षा में सन्नाटा छा गया।

जब सब चुप हो गए, तो संगीता मैम खुश हो गईं। उन्होंने मुस्कुराते हुए सबको रंगीन 'जादुई तारे' बनाना सिखाया। सब बच्चों ने बहुत सुंदर तारे बनाए। सोनू को बहुत मज़ा आया। उसने मैम के पास जाकर कहा, "सॉरी मैम! अब से मैं हमेशा आपकी बात सुनूँगा।"

सीख: अपनी टीचर की बात ध्यान से सुनना उनका सबसे बड़ा आदर है। जब हम टीचर का आदर करते हैं, तो हम बहुत कुछ सीखते हैं।

नीचे दिए गए चित्र में अपने पसंदीदा रंग भरिये।